Research Article | Commerce | Volume : 10 | Special Issue | August 2025 | e-ISSN : 2456-5040

अयोध्या मे पर्यटन उधोग का प्रभाव (राम मंदिर निर्माण के विशेष सन्दर्भ में)

सौरभ पाण्डेय[1], प्रो. (डॉ.) देवेंद्र सिंह[2]

[1] शोध छात्र, वाणिज्य विभागए महात्मा ज्योतिबा फूले रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली (उत्तर प्रदेश)
[2] वाणिज्य विभाग, प्रोफेसर, स्वामी सुखदेवानंद कॉलेज, शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश)

ABSTRACT

आर्थिक विकास की दृष्टि से भारत एक विकासशील देश है, जिसमें 28 राज्य और 8 केंद्र शासित राज्य हैं। विशाल विस्तार के कारण न केवल राज्यों की भौगोलिक परिस्थितियां, संस्कृति तथा भाषा अलग–अलग हैं बल्कि उनकी अर्थव्यवस्था और विकास स्तर में भी पर्यटन नीतियों एवं व्यापार पर आर्थिक परिणाम के साथ आधुनिक समाज की एक प्रमुख सामाजिक घटना है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्था के लिए पर्यटन रोजगार सृजन और आय सृजन में सबसे महत्वपूर्ण योगदान करता है। धार्मिक पर्यटन के महत्व को विकासशील और विकसित दोनों देशों में मान्यता दी गई है। इसीलिए पर्यटन के क्षेत्र में ट्रस्ट एवं सरकारी विभागों की स्थापना की गई है। उत्तर प्रदेश भारत की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक विरासत के साथ आध्यात्मिक केंद्र रहा है। यहाँ भगवान श्रीराम, कृष्ण, और जैन तीर्थंकरों का जन्म हुआ है। राम मंदिर निर्माण अयोध्या के आर्थिक विकास का एक परिवर्तनकारी शक्ति बन सकता है। अनुमानित रूप से पता चलता है कि मंदिर, अन्य धार्मिक स्थलों के साथ, उत्तर प्रदेश के कई शहरों में लगभग 25,000 से 30,000 करोड़ रुपये की प्रतिवर्ष वृद्धि कर सकता है। इसके अतिरिक्त, मंदिर और विभिन्न सरकारी प्रयासों का सामाजिक प्रभाव तात्कालिक रूप से 2025 तक राज्य की अर्थव्यवस्था में वृद्धि कर सकता है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन द्वारा किए गए सर्वेक्षण में मंदिर अर्थव्यवस्था का मूल्य 3.05 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया है, जो सकल घरेलू उत्पाद में 2.32 प्रतिशत का योगदान देता है।

मुख्य शब्दः धार्मिक पर्यटन, राम मंदिर, आर्थिक विकास

प्रस्तावना

पर्यटन व्यापक आर्थिक परिणाम के साथ आधुनिक समाज की एक प्रमुख सामाजिक घटना है। दुनिया भर के आर्थिक विकास के लिए पर्यटन रोजगार सृजन और आय सृजन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वास्तव में पर्यटन पहले से ही दुनिया की सबसे बड़ी उद्योगों की स्थिति में पहुँच गया है, और दुनिया का सबसे बड़ा रोजगार भी है। पर्यटन एक आर्थिक गतिविधि है, जो मूल्यवान विदेशी मुद्रा अर्जित करने में सक्षम है। रोजगार पैदा करता है और दुनिया की ढाँचों को सुदृढ़ और समृद्ध करता है।

धार्मिक पर्यटन के महत्व को विकासशील और विकसित दोनों देशों में मान्यता दी गई है। राम मंदिर निर्माण तथा अयोध्या को विकसित पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने पर उत्तर प्रदेश सरकार तथा समाज द्वारा धन व्यय किया गया है। किंतु इस व्यय का प्रतिफल भी या प्रदेश के पर्यटन विकास के रूप में प्राप्त हुआ है। अयोध्या के पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध करने हेतु राम मंदिर निर्माण के साथ–साथ विभिन्न ट्रस्टों एवं सरकारी विभागों की स्थापना की गई, जिससे धार्मिक पर्यटन का स्वरूप बढ़ा है। इसके परिणामस्वरूप अयोध्या में पर्यटन का विस्तार होने लगा। अयोध्या में पर्यटन को बढ़ावा मिलने के लिए सड़क, प्रसार प्रसारण साधन व छोटे व्यवसाय उद्यमों तथा सेवाओं के विस्तार एक स्वरूप रोजगार, प्रतिव्यक्ति आय, जीवन स्तर तथा आर्थिक कल्याण में भी वृद्धि होगी।

उत्तर भारत में स्थित भारत की सबसे खूबसूरत राज्यों में से एक उत्तर प्रदेश धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। यहाँ श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े अनेक स्थल श्रीराम की जन्म भूमि अयोध्या, श्रीकृष्ण की जन्म भूमि मथुरा, विश्वनाथ की नगरी काशी, दुनिया की सबसे पवित्र नदियाँ गंगा व यमुना जो संगम के रूप में कुंभ की धरती प्रयागराज, विंध्याचल शक्ति केंद्र भगवान बुद्ध से जुड़े 6 प्रमुख स्थल आदि परंपराओं की तारीखों से संबंधित अनेक पवित्र स्थल हैं।

पर्यटन क्षेत्र के आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का एक महत्वपूर्ण कारक है। पर्यटन क्षेत्र के महत्व को इस बात से समझा जा सकता है, कि विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों में विदेशी मुद्रा की कमाई का एक बड़ा हिस्सा पर्यटन उद्योग से ही होता है। यही कारण है कि भारत जैसे विकासशील देशों के शीर्ष सेवा क्षेत्र में पर्यटन क्षेत्र शामिल है। इसके माध्यम से आर्थिक विकास और विशेष कर दूरस्थ क्षेत्रों में रोजगार सृजन के माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण है। राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के बाद से भारत के पर्यटन और आर्थिक विकास में सकारात्मक प्रभाव देखा जा रहा है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. उत्तर प्रदेश में राम मंदिर निर्माण का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
2. राम जन्मभूमि में घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या तथा वृद्धि का आकलन करना।
3. अयोध्या में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों की विवेचना करना।
4. पर्यटन उद्योग में राम मंदिर के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध विधि

प्रस्तुत पत्र में आंकड़े द्वितीयक स्रोतों से लिए गए हैं, जिसमें भारत पर्यटन उद्योग जून 2024 तक के आंकड़े लिए गए हैं। प्रस्तुत पत्र में राम जन्मभूमि में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या आने वाले पर्यटकों की संख्या का आकलन किया गया है। इसके साथ विभिन्न समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, रिपोर्ट आदि को सम्मिलित किया गया है।

अध्ययन की आवश्यकता

प्रस्तुत शोध के अनुसार भारत विभिन्न धर्मों का देश है। यहाँ धार्मिक दृष्टिकोण से विभिन्न प्रकार के धार्मिक स्थल हैं। इसलिए तीर्थ पर्यटन के लिए उत्तम अवसर प्रदान करता है। उत्तर प्रदेश में तीर्थ पर्यटन की संभावनाओं को उजागर करने के लिए कई पवित्र स्थल हैं।

वर्तमान अध्ययन में धार्मिक पर्यटन की जनसांख्यिकी और यात्रा पर्यटन की पहचान करने का प्रयास किया गया है, जिसमें मंदिर के दर्शन, परिवहन, आवास, भोजन, खरीदारी, सुरक्षा जैसी सुविधाओं से संबद्ध धार्मिक पर्यटकों की संतुष्टि और कठिनाइयों की पहचान की जा सके। इस कारण इस शोध पत्र में तीर्थ यात्रियों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने के लिए पर्यटन मंत्रालय, मंदिर प्राधिकरण और पर्यटन स्रोतों द्वारा कुछ रणनीतियों का पालन करने की सिफारिश की गई है।

धार्मिक पर्यटन

उत्तर प्रदेश भारत की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक विरासत के साथ

Copyright© 2025, IEASRJ. This open-access article is published under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License which permits Share (copy and redistribute the material in any medium or format) and Adapt (remix, transform, and build upon the material) under the Attribution-NonCommercial terms.

आध्यात्मिक तथा देवी शक्ति का केंद्र रहा है, जहाँ भगवान श्रीराम, कृष्ण, और पाँच जैन तीर्थंकरों का जन्म हुआ। बुद्ध ने अपना पहला उपदेश यही दिया था, तथा अपने जीवन का अंतिम समय यहीं बिताया। उत्तर प्रदेश सिख, जैन एवं अन्य धर्म के लिए विशेष रूप से पर्यटन का केंद्र रहा है। उत्तर प्रदेश में अनेक प्रकार के धार्मिक स्थल तथा विभिन्न अवसरों को मानने वाले लोगों की संख्या है। धार्मिक स्थलों को मन की शांति के साथ ही धार्मिक विश्वास जागृत होते हैं।

उत्तर प्रदेश हिंदू तीर्थ गंतव्य का केंद्र रहा है। बड़ी संख्या में तीर्थ यात्री एकत्रित होते हैं। चार प्रमुख कुंभ आयोजनों में से एक का आयोजन 12 वर्ष में एक बार प्रयागराज में होता है, तथा अर्ध कुंभ का भी आयोजन 6 वर्ष में एक बार होता है। यहाँ संसार के सबसे बड़े धार्मिक जन समूह एकत्रित होते हैं। उत्तर प्रदेश में कुंभ के अलावा भी बहुत सारे पर्यटन केंद्र हैं, जैसे मथुरा, सारनाथ, अयोध्या, मैरीमठ, कौशांबी आदि। उत्तर प्रदेश केवल हिंदू देवताओं का केंद्र ही नहीं है, बल्कि मुस्लिम और सिखों के पवित्र स्थलों का भी केंद्र रहा है। उत्तर प्रदेश के छोटे–बड़े शहरों में देखने को मिलता है।

अयोध्या राम मंदिर निर्माण का आर्थिक विकास का आकलन

राम मंदिर का निर्माण अयोध्या के आर्थिक विकास में एक परिवर्तनकारी शक्ति बनने वाला है। अनुमानों से पता चलता है, कि मंदिर अन्य विनियोगीय पर्यटन स्थलों के साथ उत्तर प्रदेश के कई शहरों में अनुमानित 25,000 से 30,000 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण वृद्धि कर सकता है।

इसके अतिरिक्त मंदिर और विभिन्न सरकारी प्रयासों का सामूहिक प्रभाव वित्त वर्ष 2025 तक राज्य की कर राजस्व में अधिक वृद्धि का योगदान कर सकता है। अपनी बेहतरीन स्थिति से मंदिर में विभिन्न विकासात्मक और संरचनात्मक परियोजनाओं के लिए धन जुटा है, जिससे अयोध्या एक क्षेत्रीय विकास केंद्र के रूप में उभर रहा है।

हाल ही में उद्घाटित किया गया अयोध्या धाम स्टेशन और महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ते हुए कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए तैयार है। इसके अलावा मंदिर की उपस्थिति ने अयोध्या में रियल एस्टेट सेक्टर को भी प्रभावित किया है, जिसमें भूमि की कीमतों कुछ मामलों में चार से पांच साल पहले देखी गई दरों की तुलना में 5 से 10 गुना बढ़ गई हैं।

अयोध्या में राम मंदिर और अन्य पर्यटन पहलू से उत्तर प्रदेश की कर राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। इसके अलावा मंदिर और उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न पहलुओं से वित्तीय वर्ष 2025 में राज्य की कर राजस्व में वृद्धि हो सकती है। वित्तीय लाभ से परे मंदिर में विविध विकासात्मक और संरचनात्मक परियोजनाओं के लिए निवेश आकर्षित किया है, जिससे अयोध्या एक उभरते क्षेत्र विकास केंद्र के रूप में स्थापित हुआ है।

निष्कर्ष

उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे 2023 और 2030 के बीच 16% से अधिक ब।ळत का अनुमान है। कोविड–19 महामारी के बाद भारतीयों का धार्मिक झुकाव और भी मजबूत हुआ है। उद्योग रिपोर्ट के अनुसार तीर्थ यात्राओं में उल्लेखनीय वृद्धि और वर्ष 2024–25 में दान में 14% की वृद्धि होने की आसार हैं।

पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2022 में धार्मिक पर्यटन में 1439 मिलियन पर्यटक आए और उसी वर्ष धार्मिक पर्यटन स्थलों ने 1.34 लाख करोड़ की कमाई की, इस क्षेत्र से 2028 तक 59 बिलियन का राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है। जिससे 2030 तक 140 मिलियन अस्थायी और स्थायी नौकरियाँ पैदा होंगी।
उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, पंजाब और उत्तराखंड जैसे राज्यों में धार्मिक पर्यटन इस समय सबसे बड़े और सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में गिना जा रहा है।

धार्मिक झुकाव और भी मजबूत हुआ है। उद्योग रिपोर्ट के अनुसार तीर्थ यात्राओं में उल्लेखनीय वृद्धि और वर्ष 2024–25 में दान में 14% की वृद्धि होने की आसार हैं। पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2022 में धार्मिक पर्यटन में 1439 मिलियन पर्यटक आए और उसी वर्ष धार्मिक पर्यटन स्थलों ने 1.34 लाख करोड़ की कमाई की, इस क्षेत्र से 2028 तक 59 बिलियन का राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है, जिससे 2030 तक 140 मिलियन अस्थायी और स्थायी नौकरियां पैदा होंगी।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, पंजाब और उत्तराखंड जैसे राज्यों में रोजगार सृजन में इस उछाल के पीछे मुख्य भूमिका होने की उम्मीद है। इसके अलावा धार्मिक पर्यटन में उछाल से यात्रा पर्यटन, आतिथ्य और संबंधित उद्योगों में ऐसे उद्योगों के विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे विभिन्न स्थानों पर उद्यमशीलता के अवसरों का मार्ग प्रशस्त होगा।

मंदिर पर्यटन की आर्थिक संभावनाओं को खोलना अयोध्या की आर्थिक क्षमता को बढ़ाने व आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन द्वारा किए गए सर्वे में मंदिर की अर्थव्यवस्था का मूल्य 3.02 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया है, जो सकल घरेलू उत्पाद में 2.32 प्रतिशत का योगदान देता है। तीर्थ यात्री जो अक्सर मध्यम और छोटे आकार के होटलों का सहारा लेते हैं, धार्मिक यात्रा पर प्रतिवर्ष औसतन 2717 रुपये प्रति व्यक्ति खर्च करते हैं, जिससे पर्यटन आर्थिक प्रवाह बनता है।

अयोध्या के भविष्य की दृष्टि से आर्थिक अनुमान मास्टर प्लान 2031 का लक्ष्य Rs.50000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से अयोध्या की बुनियादी ढांचे को उन्नत करना है, जिसमें राम मंदिर के उद्घाटन के बाद प्रतिदिन लगभग 3 लाख लोगों के आने की संभावना है। जिससे राज्य सरकार अयोध्या में 4 लाख प्रत्यक्ष रोजगार और 8 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने की परिकल्पना करती है, जिसे यह एक जीवंत आर्थिक केंद्र बना जाएगा।

संदर्भ ग्रंथ

1. Jude, O.C. et al. (2018) Impact of Religious Tourism in Host Communities: The Case of Awhum Monastry. American Journal of Social Science, 6(3), 39-47.
2. Balakrishna, N.B. (2020) Strategic Role of Religions Tourism in Recuperating the Indian Tourism Sector Post-Covid-19. International Journal of Religious Tourism and Pilgrimage, 8(7), 6-10.
3. Indian Tourism Statistics 2020-2021, Ministry of Tourism, Government of India.
4. Survey Report 2023-2024, Ministry of Tourism, Government of India.
5. The Hindu Business Line